राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़

रूचि केन्द्रित (CBCS)

सेमेस्टर पद्धति

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

खोरठा

पूरोवाक्

निज भाषा उन्नति है, सब उन्नति कै मूल ।
बिन निज भाषा उन्नति कै मिटै न हिय कै शूल ।।

– भारतेन्दु

यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा है, मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसे थोड़ा और कहा जा सकता है कि मनुष्य एक भाषिक प्राणी भी है क्योंकि मनुष्य के पास ही भाषा (परिष्कृत) है, अन्य जीवों के पास नहीं है। समाज के विकास के साथ–साथ भाषा का भी विकास हुआ। भाषा का संबंध संस्कृति से है और संस्कृति का संबंध जीवन से। इस तरह जीवन को बचाना है तो संस्कृति को बचाना होगा और संस्कृति को बचाने का सवाल नितांत बुनियादी है।

झारखण्ड एक बहुजातीय, बहु सांस्कृतिक एवं बहुभाषिक राज्य है। यहां आर्य, द्रविड़ एवं आग्नेय तीन प्रजाति के लोग हजारों वर्षों से रहते आ रहे हैं। यहाँ तीन भाषा परिवार की भाषाएं बोली जाती हैं जो तीन प्रजाति समूह की संस्कृतियों का वहन करती है। आर्य प्रजाति के लोग सदान नाम से जाने जाते हैं और सदान झारखंड का ऐसा गैर जनजातीय समुदाय है जो झारखंड में जनजातीय सन्निवेश में हजारों वर्षों से रहने के कारण इस समुदाय में झारखंड में विभिन्न संस्कृति एवं पहचान बना ली है और जिसमें झारखंड की समन्वित संस्कृति का विकास किया है। यद्यपि सदान समुदाय आर्य प्रजाति में परिगणित है, बावजूद कि सदान समुदाय की भाषा को सदानी की संज्ञा प्राप्त है। विवेच्य खोरठा भाषा सदानी भाषा समूह की एक प्रमुख भाषा है जो झारखंड के 24 जिलों में से 16 जिलों की डेढ़ करोड़ जतना की लोकप्रिय जनभाषा है। यह भाषा जनजातीय भाषा समुदाय को अपने से इतर समुदाय के बीच बना संपर्क भाषा का भी काम करती है। वर्तमान में इस भाषा को झारखंड की द्वितीय राजभाषा की दर्जा प्राप्त है।

खोरठा राँची विश्वविद्यालय, राँची, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची के स्नातक एवं स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल है एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में स्नातक पाठ्क्रम में है। इसके अतिरिक्त झारखंड के विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में भी शामिल है। इस भाषा का लोक साहित्य स्पृहनीय रूप से समृद्ध है इसकी शिष्ट साहित्यिक परंपरा तीन सौ वर्षों की है। साहित्य के सभी विद्याओं में इसका साहित्य ग्रंथ उपलब्ध है। भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं शब्दकोश की पुस्तकें भी हैं। दर्जनों शोधग्रंथ प्रकाशित हैं और सैंकड़ों शोधार्थी शोधरत हैं।

प्रतिष्ठित राधा गोविन्द विश्वविद्यालय खोरठा भाषा के केंद्रीय क्षेत्र में अवस्थित है। यह सुखद विषय है कि विलंब से ही सही, विश्वविद्यालय प्रशासन ने जनभावना का सम्मान करते हुए खोरठा भाषा साहित्य को स्नातक (पास एवं प्रतिष्ठा) के पाठ्यक्रम में शामिल कर विश्वविद्यालय को क्षेत्रीय पहचान देने का प्रयास किया है जो वंदनीय है, प्रशंसनीय है, प्रासंगिक है और सबसे ऊपर एक प्रगतिशील कदम है। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पूर्व की पहल पर स्नातक प्रतिष्ठा एवं पास का पाठ्यक्रम बनाया गया है, जिसका अनुशरण करते हुए कई महाविद्यालयों में इस भाषा की पढ़ाई हो रही है। वर्तमान में राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार रूचि केन्द्रित (सी०बी०सी०एस०) सेमेस्टर पद्धति पर त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के लिए विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं। सम्प्रति उसी कड़ी में प्रस्तुत है खोरठा भाषा एवं साहित्य स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के सेमेस्टर पद्धति का पाठ्यक्रम ।

इति शुभ!

खोरठा भाषा पाठ्यक्रम निर्माण समिति।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्यों के नाम, पदनाम एवं पता

Semester	Course	Subject	Subject Code	Credits	Hour/Week
1	FC-1	सामान्य जाति विज्ञान	101	4	4(L) +1(T)
	CC-1	अपनी भाषा का लोक साहित्य	102	5	5(L) +1(T)
	CC-2	साहित्य सिद्धान्त	103	5	5(L) +1(T)
	CC-3	अपनी भाषा का कविता	104	5	5(L) +1(T)
2	EC-1	सामान्य लोक साहित्य	201	4	4(L) +1(T)
	CC-4	अपनी भाषा का कहानी	202	5	5(L) +1(T)
	CC-5	अपनी भाषा का उपन्यास	203	5	5(L) +1(T)
	CC-6	अपनी भाषा का नाटक	204	5	5(L) +1(T)
3	EC-2	झारखण्ड की कलाएं एवं संस्कृति	301	5	5(L) +1(T)
	CC-7	सामान्य भाषा विज्ञान	302	5	5(L) +1(T)
	CC-8	अपनी भाषा का भाषा विज्ञान	303	5	5(L) +1(T)
	CC-9	अपनी भाषा का व्याकरण	304	5	5(L) +1(T)
4	EC-3	भारतीय साहित्य	401	5	5(L) +1(T)
	CC-10	झारखण्ड के महापुरुष	402	5	5(L) +1(T)
	CC-11	रचनात्मक लेखन	403	5	5(L) +1(T)
	CC-12	लघु शोध प्रबंध /योजना कार्य	404	5	10

Semester - 1

सामान्य जाति विज्ञान

(Gen FC-1) 101	**Credits – 04**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	जाति विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता और वैशिष्ट्य, अन्य विषयों संबंध, संस्कृति की अवधारणा और परिवर्तन, समाज व्यवस्था, अर्थ व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, जनजाति एवं उनका विकास, औद्योगिकरण नगरीकरण प्रभाव।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखंड की जनजातियाँ – डॉ. बिमला चरण शर्मा, कीर्ति विक्रम
2. झारखंड की रुपरेखा – डॉ. राम कुमार तिवारी
3. झारखंड की जनजातियाँ – डॉ. चतुर्भुज साहु

Semester - 1

खोरठा भाषा का लोक साहित्य

(KhoCC-1) 102	**Credits -04**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	खोरठा भाषा का लोकगीत की परिभाषा, वर्गीकरण, महत्व, विशेषता, उपादेयता।
Unit - II	लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, मिथक, लीजेन्ड, मुहावरा, कहावतें एवं पहेलियों का वर्गीकरण, महत्व, विशेषताएँ, लोक साहित्य और संस्कृति।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40 अंक

लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक

बहुविकल्पीय प्रश्न – 10 X 1 = 10 अंक

कुल = 70

दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक

उपस्थिति = 10 अंक

पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा लोक साहित्य – शिवनाथ प्रमाणिक

2. खोरठा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. विनोद कुमार

4. खोरठा लोक साहित्य – प्रकाशक (जनजातीय भाषा अकादमी), जनजातीय कल्याण शोध संस्थान

Semester - 1

साहित्य सिद्धांत

(GenCC-2) 103	**Credits -04**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	काव्य की परिभाषा, हेतु, प्रयोजन, तत्व, रूप का अध्ययन (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण)
Unit - II	**साहित्य की विविध विधाएँ** – काव्य, प्रबंधकाव्य, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, डायरी, रिपोर्ताज, समीक्षा, आलोचना, समालोचना के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।
Unit – III	शब्द शक्ति रस निरूपण, गुण, दोष, छंद – अलंकार **छंद** – दोहा, चौपाई, सवैया, मालिनी, मंदाक्रांता **अलंकार –** अनुप्रास, यमक, उपमा, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, विभावना।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश –
1. इस अंक के उत्तर हिन्दी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. साहित्य के तत्व और आयाम – बी.पी. केशरी
2. काव्य के रुप – गुलाब राय
3. अलंकार मुक्तावली – देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. काव्य शास्त्र – भागीरथ मिश्र
5. काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा

Semester - 1

खोरठा कविता

(KhoCC-3) 104	**Credits -05**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा कविता	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. सोंध माटी (कविता भाग) डॉ. विनोद कुमार
2. तातल आर हेमाल – शिवनाथ प्रमाणिक
3. जुरगुड़ा – सं. – संदीप कुमार महतो, ओहदार अनाम

Semester - 2

सामान्य लोक साहित्य

(Gen EC-1) 201	Credits - 04
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	लोक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा, अध्ययन परम्परा, वर्गीकरण, महत्व विशेषताएँ, लोक साहित्य की विधाएँ –लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकना, लोक नृत्य, लोकोक्तियाँ मुहावरे, पहेलियाँ एवं मंत्री विशेषताएँ, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य में अन्तर लोक साहित्य एवं संस्कृति का महत्व।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. लोक साहित्य एवं विज्ञान- डॉ सत्येंद्र
2. लोक साहित्य की भूमिका-डॉ कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ दिनेश्वर प्रसाद
4. लोक साहित्य के सिद्धांत और प्रयोग - डॉ श्रीराम शर्मा

Semester - 2

खोरठा कहानी

(Kho CC-4) 202	Credits - 05
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा कहानी	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. **नचनी काकी- प्रह्लाद चन्द्र दास**
2. खटरस – जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित'
3. छांहइर – चितरंजन महतो चित्रा
4. **फरीछ डहर-पंचम महतो**

Semester - 2

खोरठा उपन्यास

(Kho CC-5) 203	Credits - 05
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा उपन्यास	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ – 1. जिनगीक टोह – चितरंजन महतो (चित्रा)

2. लाल कोठी – महेनद्र नाथ गोस्वामी सुधाकर

Semester - 2

खोरठा नाटक

(Kho CC-6) 204	Credits - 05
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा नाटक	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. उदभासल कर्ण – श्रीनिवास पानुरी
2. मेकामेकी ना मेटमाट – डॉ. ए.के झा
3. डाह – संकुमार
4. **जोंक - महेंद्र नाथ गोश्वामी**

Semester - 3

झारखंड की कलाएँ एवं संस्कृति

(Gen EC-2) 301	**Credits - 05**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	झारखण्ड को चित्र कला (भित्ति चित्र, कोहबर चित्र, सोहराय पेंटिग्स), मिट्टी कला, बाँस कला, काष्ठ कला, गृह निर्माण कला एवं पाक कला।
Unit - II	झारखण्ड पारम्परिक संगीत की राग–रागिनियाँ, नृत्य शैलियाँ, वाद्य और प्रदर्शन कला, नाटक, फिल्म, आकाशवाणी, दूरदर्शन।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखंड की पारंपरिक कलाएँ– डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज', शकुन्तला मिश्रा
2. थाति – कला संस्कृति विभाग झारखंड साकार

Semester - 3

सामान्य भाषा विज्ञान

(Gen EC-7) 302	**Credits - 05**
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**

Unit - I भाषा विज्ञान की परिभाषा तथा इसके प्रकार, भाषा की उत्पति सिद्धांत, भाषा की उपयोगिता, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषाओं का वर्गीकरण, पारिवारिक एवं आकृतिमूलक वर्गीकरण, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, लिपि विज्ञान, कोश विज्ञान।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. सामान्य भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Semester - 3

खोरठा भाषा का भाषा विज्ञान

(Kho CC-8) 303	Credits - 05
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**

Unit - I खोरठा भाषा का सामान्य परिचय, खोरठा भाषा की परिभाषा, खोरठा भाषा का उद्‌भव और विकास, खोरठा भाषा का स्वरूप, खोरठा भाषा का क्षेत्र विस्तार, खोरठा भाषा का परिवारिक वर्गीकरण, खोरठा भाषा की विशेषताएँ खोरठा भाषा की परिवर्तन के कारण, ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि परिवर्तन के कारक तत्व, पद विज्ञान एवं पद परिवर्तन के कारक तत्व, वाक्य विज्ञान एवं वाक्य परिवर्तन के कारक तत्व, अर्थ विज्ञान एवं अर्थ परिवर्तन के कारक तत्व, लिपि एवं लिपि की समस्या ।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
दो आंतरिक मूल्यांकन	= 20 अंक
उपस्थिति	= 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. ए.के. झा
2. खोरठा भाषा विज्ञान – डॉ. ए.के. झा
3. खोरठा का रूपविज्ञानिक अध्ययन-डॉ बी एन ओहदार
4. खोरठा भाषा का उद्‌भव एवं विकास - डॉ बी एन ओहदार

Semester - 3

खोरठा भाषा का व्याकरण

(Kho CC-9) 304	Credits - 05
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, पदबंध, पर्यायवाची, समानार्थक शब्द, अनेक शब्दों का एक शब्द, मुहावरा।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा सहित सदानिक व्याकरण – डॉ. ए.के. झा
2. खोरठा व्याकरण -ओहदार -अनाम
3. आधुनिक खोरठा व्याकरण - दिनेश दिनमणि

Semester - 4
भारतीय साहित्य

(Gen EC-3) 401	**Credits - 05**
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	**प्राचीन भारतीय साहित्य –** वेद, पुराण, उपनिषद्।
Unit - II	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन. भारतीय साहित्य** – सिद्ध एवं नाथ साहित्य, भक्ति आंदोलन, सगुण भक्ति, निगुर्ण भक्ति, राममागी, कृष्णमार्गी, सूफी संत से संबंधित प्रमुख साहित्य का परिचय।
Unit - III	**आधुनिक भारतीय साहित्य –** प्रयोगवाद का परिचय। रहस्यवाद, छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद का परिचय।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल

2.निर्गुण काव्य दर्शन – सिद्धनाथ तिवारी

3.हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी

4.हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेन्द्र

5.भारती साहित्य की रूपरेखा – भोला शंकर व्यास

Semester - 4

झारखंड़ के महापुरुष

(Gen CC-10) 402	Credits - 05
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	विरसा मुण्डा, वीर बुधु भगत, तिलका मांझी, सिद्धो–कान्हू, शेख भिखारी, नीलाम्बर– पितांबर, तेलंगा खड़िया, एन. ई. होरो, पोटो सरदार, विनोद बिहारी महतो, लाड़ो जोंको, शकुंतला टुडू, नंदी कुई, कार्तिक उराँव, जयपाल सिंह मुण्डा ।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखण्ड के शहीद – डॉ. भुवनेश्वर अनुज
2. झारखण्ड आंदोलन का दस्तावेज, शोषण, संघर्ष और शहादत – अनुज कुमार सिन्हा
3. समरगाथा -शैलेंद्र महतो

Semester - 4

रचनात्मक लेखन

(Kho CC-11) 403	**Credits - 05**
	Marks - 100 (70+30)
Unit - I खोरठा भाषा में रचनात्मक लेखन	

निर्देश :–

1. यह रचनात्मक लेखन खोरठा भाषा में अपेक्षित होगा।
2. खोरठा भाषा में कविता, कहानी, नाटक, निबंध, एकांकी आदि किसी एक विधा पर स्वरचित रचनाएँ अपेक्षित होंगी।
3. यह लेखन लगभग सौ पृष्ठों का होगा।

Semester - 4

लघु शोध प्रबंध/कार्य योजना

(Kho CC-12) 404	**Credits - 05**
	Marks - 100 (70+30)
Unit - I लघु शोध प्रबंध रचना अथवा कार्य योजना	

निर्देश :–

1. लघु शोध प्रबंध लगभग सौ पृष्ठों का हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में अनिवार्य रूप से अपेक्षित होंगें।
2. इसमें 30 पृष्ठों का फील्ड रिपोर्ट भी शामिल होगा।